भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1157
01/08/2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

हिमाचल प्रदेश में डॉप्लर मौसम रडार (डीडब्ल्यूआर) प्रणाली

1157. डा. सिकंदर कुमार :

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) वर्तमान में हिमाचल प्रदेश राज्य में संस्थापित डॉप्लर मौसम रडार (डीडब्ल्यूआर) प्रणालियों का ब्यौरा क्या है और नवीनतम रडारों को चालू करने के लिए क्या समय-सीमा निर्धारित की गई है;

(ख) राज्य में डीडब्ल्यूआर की संस्थापना और उनके सुचारू संचालन पर कितनी धनराशि खर्च की गई है; और

(ग) राज्य में मौसम के सटीक पूर्वानुमान हेतु मौसम अवलोकन प्रणालियों के समुचित कार्यकरण को सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) हिमाचल प्रदेश राज्य के कुफरी (शिमला), मुरारी देवी (मंडी) और जोत (चंबा) में तीन एक्स-बैंड डॉप्लर मौसम रडार (डीडब्ल्यूआर) स्थापित कर चालू किए गए हैं। दिसंबर 2025 तक हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले में एक और एक्स-बैंड डॉप्लर मौसम रडार स्थापित किया जाएगा।

(ख) 13.87 करोड़ रुपये।

(ग) मौसम पूर्वानुमान अनेक प्रेक्षण प्रणालियों से डेटा का उपयोग करके किया जाता है, जिसमें सतह प्रेक्षण, उपरितन वायु प्रेक्षण, डीडब्ल्यूआर प्रेक्षण तथा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय उपग्रह-आधारित प्रेक्षण शामिल हैं। इन प्रेक्षण प्रणालियों के डेटा को विभिन्न स्थानिक और कालिक पैमानों पर मौसम पूर्वानुमान करने के लिए विभिन्न अत्याधुनिक क्षेत्रीय और वैश्विक गतिकीय मॉडलों में समाहित किया जाता है। मंत्रालय देश भर में मौसम पूर्वानुमान में बेहतर सटीकता प्राप्त करने के लिए प्रेक्षणात्मक तथा अनुसंधान एवं विकास अवसंरचना को बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है।

*****